Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 25 , शनिवार, 17 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

दिल्ली: सीलिंग पर 2 अप्रैल से रोजाना होगी सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली कानून (विशेष प्रावधान) बिल, 2017 दूसरे संशोधन को केंद्र की मंजूरी के ठीक दो माह बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह इस कानून से पहले मौजूद दिल्ली कानून (विशेष प्रावधान)एक्ट, 2006 की वैधता की जांच करेगा। इस संशोधन के जरिये सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अवैध निर्माण को गिराने तथा सीलिंग को 31 दिसंबर 2020 तक रोकने के प्रावधान कर दिए गए थे। कोर्ट ने कहा कि इनकी जांच के लिए 2 अप्रैल से रोजाना सुनवाई होगी। जस्टिस मदन लोकुर की पीठ के समक्ष यह मामला तब उठा जब पीठ डीडीए के मास्टर प्लान, 2021 का अवलोकन कर रही थी। दिल्ली में सीलिंग अभियान के चलते सुप्रीम कोर्ट इस प्लान की वैधता की जांच कर रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ता तथा न्यायमित्र रंजीत कुमार ने दिल्ली कानून (विशेष प्रावधान), एक्ट 2006 के पांच संस्करण कोर्ट में पेश किए। कोर्ट ने कहा कि इनकी जांच दो अप्रैल को की जाएगी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 2013 में दिल्ली कानून (विशेष प्रावधान) एक्ट, 2006 को चुनौती देने वाली याचिकाएं दिल्ली हाईकोर्ट में स्थानांतरित कर दी थीं ताकि वहां जल्द सुनवाई हो सके। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने 15 दिसंबर 2017 को ये याचिकाएं यह कहते हुए अपने अपने यहां वापस बुला लीं कि हाईकोर्ट में चार साल में कुछ नहीं हुआ है। कोर्ट ने 10 फरवरी को शाहदरा के विधायक और पार्षद को अदालत की अवमानना नोटिस जारी किए थे । ये पार्षद अवैध निर्माण गिराने का विरोध कर रहे थे। इनकी सुनवाई 6 मार्च को होगी।

वकीलों पर हमला: त्वरित कार्रवाई नहीं करने पर पुलिस को फटकार

नई दिल्ली। राजधानी में दो वरिष्ठ अधिवक्ताओं पर हमला और एक अधिवक्ता की कार जलाने की घटना से जुड़े मामले में फॉरेंसिंक नमूने लैब में नहीं भेजे जाने पर हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस को कड़ी फटकार लगाई। हाईकोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वकीलों पर हमला आपात स्थिति जैसा है, इस तरह के मामले में भी त्वरित कार्रवाई नहीं किया जाना चिंता का विषय है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल और न्यायमूर्ति सी. हरि. शंकर की पीठ ने दिल्ली पुलिस से कहा कि आप इस तरह के मामले में समुचित कदम नहीं उठा पा रहे हैं, मान लीजिए यदि आतंकवदी हमला होता है कि आप लोग (पुलिस) क्या करेंगे, आप मामले की जाचं कैसे करेंगे। पीठ ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को इस मामले में जांच के लिए घटना स्थल से उठाए गए फॉरेंसिक नमूने को प्रयोशाला भेजने में देरी करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है।

जेएनयू प्रदर्शन: सुबह से रात तक एड ब्लॉक में फंसे रहे अधिकारी

नई दिल्ली। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में अनिवार्य हाजिरी को लेकर गुरुवार को छात्रों ने मानव श्रृंखला बनाकर प्रशासनिक ज़भवन का घेराव किया। अधिकारियों ने छात्रों पर सुबह से शाम तक बंदी बनाने का आरोप लगाया है। वहीं जेएनयू एसयू का कहना है कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं। कुलपति हमसे मिलने से मना कर रहे हैं। अनिवार्य हाजिरी को लेकर छात्र पिछले एक महीने से विवि में प्रदर्शन कर रहे हैं। गुरुवार को छात्रों ने प्रशासनिकज़भवन पर इकट्ठा होकर कुलपति से मिलने का समय मांगा। कुलपति के न मिलने पर वे वहीं पर बैठ गए। छात्रों के लगातार बढ़ते हुजूम से प्रशासनिक भवन का कामकाज ठप सा हो गया। प्रशासन का आरोप है कि जेएनयू प्रशासनिक भवन से निकलने के लिए चार गेट है लेकिन छात्रों ने चारों गेट पर कब्जा कर रखा था। सुबह 11 बजे से देर शाम तक छात्र गेट पर बैठकर अपना विरोध जताते रहे। दोपहर बाद करीब एक बजे जेएनयू के रेक्टर महापात्रा ने प्रशासनिक खंड से निकलने की कोशिश की तो वो नहीं निकल पाए। जेएनयू छात्रसंघ की अध्यक्ष गीता कुमारी ने बताया कि विवि प्रशासन की तरफ से हमें कई तरह के नोटिस आ चुके हैं। इस बार हम अपना अधिकार लेकर रहेंगे। गुरुवार को भी छात्रों को एक नोटिस दिया गया है। इसमें लिखा है कि जिन छात्रों की 75 प्रतिशत उपस्थिति नहीं होगी। उन्हें स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी यह मांग है कि जिन छात्रों पर जुर्माना लगाया गया है, उसे वापस लिया जाए। छात्रसंघ 23 फरवरी को होने वाली अकादमिक बैठक की मांग भी कर रहा है।

»» पीएनबी घोटाले पर आप ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

सरकार की साठगांठ के बगैर देश से कोई जा नहीं सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीयकृत बैंक पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में हुए बड़े घोटाले के खुलासे पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर हमला करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार की शह के बिना विजय माल्या हो या कोई और देश से भाग नहीं सकता। केजरीवाल ने साढ़े ग्यारह हजार करोड़ रपए के इस घोटाले को लेकर मोदी सरकार पर ट्विटर के जरिये हमला बोला।

केजरीवाल ने केन्द्र सरकार पर अनदेखी का आरोप मढ़ा। उन्होंने लिखा है कि क्या यह संभव है कि नीरव मोदी हो या विजय माल्या बिना भाजपा सरकार के साथ सांठगांठ से देश छोड़ सकता है। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने आभूषण कारोबारी नीरव मोदी से जुड़े लगभग 11400 करोड़ रपए के घोटाला मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि पीएनबी को नीरव मोदी द्वारा 11 हजार करोड़ रपए की चपत लगाने के इस मामले से जुड़े कुछ दस्तावेजी सबूतों से साफ है कि पीएमओ के संज्ञान में यह मामला जुलाई 2016 में ही लाया गया था। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा इस पर कोई कार्रवाई करने के बजाय आरोपी व्यक्ति को प्रधानमंत्री के विदेश दौरे में प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनाया जाना गंभीर सवाल खड़े करता है। सिंह ने कहा कि जनवरी 2017 में नीरव मोदी के ठिकानों पर आयकर विभाग के छापों के एक साल बाद दावोस में 23 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ नीरव की तस्वीरों से साफ है कि सरकार इस प्रकरण से अनभिज्ञ नहीं थी। इस दौरान आप के प्रवक्ता राघव चड्ढा ने इस मामले के दस्तावेजी सबूतों को पेश करते हुए कहा कि 26 जुलाई 2016 को व्हिसल ब्लोअर हरि प्रसाद ने पीएमओ को पत्र लिखकर नीरव द्वारा पीएनबी को भारी वित्तीय नुकसान पहुंचाने की सूचना दी थी। चड्ढा ने कहा कि पत्र में हरि प्रसाद ने यह भी कहा कि वह इससे पहले वित्त मंत्री सहित वित्तीय गड़बड़ियों की जांच से जुड़ी सभी एजेंसियों के संज्ञान में यह मामला ला चुके हैं, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं होने के बाद वह पीएमओ को इसकी सूचना दे रहे हैं। चड्ढा ने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ दावोस दौरे के पांच दिन बाद पीएनबी ने सीबीआई को पत्र लिखकर घोटाले की सूचना देते हुए आरोपियों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करने का अनुरोध किया।

सख्ती: 15 साल के लिए परीक्षा से यूपी के बैन होंगे 'दागी स्कूल'

इलाहाबाद। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं नकलविहीन कराने के लिए सरकार की सख्ती के बावजूद कई स्कूल ऐसे हैं जहां नकल कराई जा रही है। इलाहाबाद में दो बड़े मामले पकड़े जा चुके हैं जबकि बलिया में एक परीक्षा केंद्र के बाहर कॉपियां लिखवाने का खुलासा एसटीएफ ने किया है। ऐसे में बोर्ड इन स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है ताकि भविष्य की परीक्षाओं में किसी स्कूल के प्रबंधक या प्रधानाचार्य नकल करवाने का साहस न कर सके। सूत्रों की मानें तो इन स्कूलों को 15 साल तक के लिए बोर्ड परीक्षा से डिबार किया जा सकता है। बोर्ड के नियम में स्कूल को आजीवन डिबार कराने का प्रावधान है। आजीवन डिबार 15 साल के लिए होता है। इसलिए दागी स्कूलों को अधिकतम सजा देने की तैयारी है। संयुक्त शिक्षा निदेशकों की रिपोर्ट मिलने के बाद बोर्ड की ओर से शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा। हालांकि इस मसले पर बोर्ड के अफसर कुछ बोलने से बच रहे हैं क्योंकि परीक्षाएं चल रही है।

केस वन: 13 फरवरी को हाईस्कूल गणित की परीक्षा के दौरान कन्हई सिंह सिंगरौर इंटर कॉलेज खटांगी में डीआईओएस इलाहाबाद आरएन विश्वकर्मा ने प्रधानाचार्य नंद लाल सिंह को फोटोकॉपी मशीन से बच्चों को सामूहिक रूप से पेपर हल करवाते पकड़ा।

केस टू: बोर्ड परीक्षा के पहले दिन छह फरवरी को दूसरी पाली में इंटर हिन्दी प्रथम प्रश्न पत्र की परीक्षा के दौरान एसटीएफ ने एडीए नैनी में बाल भारती स्कूल से छात्रों को बोल-बोलकर नकल करा रहे बारा निवासी अनिल कुमार,स्कूल के प्रिंसिपल शिव प्रसाद व शिव शंकर मिश्र को गिरफ्तार कर लिया था।

कॉफी टेबल बुक ''चित्रयात्रा' जारी

नई दिल्ली। यहां चल रहे अंतरराष्ट्रीय कला मेले में बृहस्पतिवार को काफी टेबल बुक ''चित्रयात्रा' का विमोचन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष राम बहादुर राव व ललित कला अकादमी के प्रशासक सीएस कृष्ण सेट्टी ने संयुक्त रूप से किया। चित्रयात्रा में ललित कला अकादमी द्वारा 1954 से 2017 तक के सफर की उपलब्धियों को तस्वीरों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

राजधानी में छात्रा से यौन शोषण में कैब ड्राइवर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मंगोलपुरी पुलिस ने दस साल की बच्ची से यौन शोषण के आरोप में मंगलवार को एक कैब ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कम्बोज के रूप में हुई है। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट एवं दुष्कर्म की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पीड़िता अमन विहार स्थित एक प्राइवेट स्कूल में पांचवीं क्लास की छात्रा है। उसका परिवार मंगोलपुरी इलाके में रहता है। घर से स्कूल जाने के लिए परिजनों ने तीन साल से कम्बोज की कैब को किराये पर ले रखा था। मंगलवार को पीड़िता घर में काफी उदास थी। मां ने बच्ची से इसका कारण पूछा तो बड़ी मुश्किल से उसने मां को सारी बात बताई। परिवार ने घटना की जानकारी मंगोलपुरी पुलिस को दी। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल कराकर आरोपी कैब ड्राइवर को हिरासत में ले लिया। कैब के बारे में परिजनों का कहना है कि यह कैब स्कूल से मिली थी। स्कूल प्रशासन ने कैब उपलब्ध कराने से इंकार किया है। अब पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि आरोपी की शिकार कोई अन्य छात्राएं तो नहीं हैं।

कार चलानी सिखाई : पीड़िता ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि एक दिन कैब चालक ने सारे बच्चों को उनके घर छोड़ दिया। तब आरोपी कैब चालक ने उसे ड्राइविंग सिखाने का बहाना बनाया और उसे एक सुनसान पार्क में ले गया। जहां पर उसके साथ यौन शोषण किया। इसके बाद पीड़िता ने सारी बात अपनी मां को बता दी।

दृष्टिहीन शिक्षक के खिलाफ छात्राओं से छेड़छाड़ की पांच और शिकायत मिलीं

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मुखर्जी नगर में पुलिस द्वारा गिरफ्तार दृष्टिहीन शिक्षक के खिलाफ पांच और छात्राओं ने छेड़छाड़ की शिकायत दी है। पुलिस इन शिकायतों को एक ही एफ्आईआर में जोड़कर जांच कर रही है। हालांकि, डीसीपी असलम खान ने मामले में टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। आरोपी फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है। वहीं, पीड़ित छात्रओं ने अभी मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज नहीं कराए हैं। गौरतलब है कि हिंदी शिक्षक अवधेश के खिलाफ दो छात्रओं ने छेड़छाड़ की शिकायत दी थी। वहीं, आरोपी शिक्षक ने अपने बचाव में कहा कि आंखें न होने के कारण उससे ये गलतियां हुई।

दृष्टिहीनता की आड़ में बचा रहा : आरोपी अवेधश के खिलाफ कई बार कार्रवाई करने के लिए लिखा गया था। मगर अवधेश दृष्टिहीनों के अधिकारों के संरक्षण के लिए बने आयोग में स्कूल की शिकायत कर देता था।

दर्दनाक: पत्नी से परेशान युवक ने वैलेंटाइन डे पर जान दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुनापार के मधु विहार में पत्नी से परेशान होकर 31 वर्षीय युवक विकास ने वैलेंटाइन-डे के दिन बुधवार को ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। पुलिस को मौके से दो पेज का सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने मौत के लिए पत्नी और ससुराल वालों को जिम्मेदार बताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। आनंद विहार रेलवे पुलिस और मधु विहार थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। विकास निवासी चंद्र विहार के परिवार में माता-पिता, दो भाई और एक बहन हैं। विकास कोटक महिंद्रा बैंक में काम करता था और उसके पिता नानकचंद एमसीडी में नौकरी करते हैं। भाई आकाश ने बताया कि बीती 31 अक्तूबर को विकास की जीरो-पुश्ता न्यू उस्मानपुर निवासी काजल से शादी हुई थी। आरोप है कि काजल पति पर परिवार से अलग होने का दबाव बना रही थी। विकास के इंकार करने पर दोनों के बीच झगड़ा होता था। काजल छोटी-छोटी बात पर आत्महत्या करने की धमकी देती थी। आकाश ने आरोप लगाया कि विकास के ससुराल वालों ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया था। काजल छोटी-छोटी बातों पर आग बबूला हो जाती थी। मामला मधु विहार थाने तक भी पहुंचा। आरोप है कि 11 फरवरी को काजल के परिजनों ने घर पर विकास को बुरी तरह पीटा और उसे ब्लेड भी मार दिए। काजल के भाई ने तमंचा दिखाकर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी। 12 फरवरी को दोनों पक्षों में सुलह हो गई थी। आकाश का कहना है कि विकास भाभी को बहुत चाहता था। उसने कई बार पत्नी को समझाने की कोशिश की थी। बुधवार रात को भी दोनों के बीच कहासुनी हुई तो रात करीब साढ़े आठ बजे विकास काजल से ट्रेन के आगे कूदकर जान देने की बात कहकर घर से निकल गया। आकाश का आरोप है कि काजल ने एक घंटे बाद परिवार को यह बात बताई। इसके बाद आकाश भाई की तलाश में नजदीकी मंडावली रेलवे ट्रैक पर पहुंचा तो वहां उसकी बाइक खड़ी मिली।

मांग पर वाहन चुराने वाले तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के वाहन चोरी निरोधी दस्ते ने दो महीने में 15 वाहन चुराने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को बुधवार को बक्करवाला गांव के पास से गिरफ्तार किया है। गिरोह मेरठ से मांग पर वाहन चोरी करता था। पुलिस ने इनके कब्जे से दो कार सहित पांच वाहन बरामद किए हैं। एएटीएस के एसआई देवेंद्र लाकड़ा की टीम हाल के दिनों में बाहरी दिल्ली के इलाकों में वाहन चोरी के मामले बढ़ने के मद्देनजर जांच कर रही थी। बुधवार शाम पुलिस को सूचना मिली कि चोरी की कार में कुछ युवक बक्करवाला गांव के पास आएंगे। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर कार सवार तीन युवकों शमशेर, दीपक और मंजीत को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि यह कार रोहिणी साउथ इलाके से चोरी की गई थी। आरोपियों ने बताया कि वे मेरठ से मांग पर वाहन चोरी करते थे। फिलहाल उनका निशाना एसयूवी कारें थीं। वे पहले भी गिरफ्तार हो चुके हैं।

काशी में कश्मीरी : हम भी हिंदुस्तानी हैं, शक की नजर से मत देखो

वाराणसी। राजघाट रेलवे क्रासिंग के पास अजगेब शहीद की परिसर में बनाई गई अस्थाई झोपड़ियां डाल कर रहने वाले कश्मीरी अपने ताजा हालात को लेकर आहत हैं। बीते बुधवार को हरहुआ पुलिस द्वारा कुछ कश्मीरियों को घंटों थाने पर बैठाए रखने का इन्हें सख्त मलाल है। गुरुवार को जब आप के अपने अखबार हिन्दुस्तान की टीम इनके बीच पहुंची तो इस झोपड़पट्टी में रहने वाला हर शख्स अपनी झोपड़ी से बाहर निकल आया। उनका कहना था 'एक तो हम पहले ही हालात के मारे हैं ऊपर से हमें शक की नजर से देखा जा रहा है यह हमारे लिए और भी दुखदायी है। अल्लाह की कसम हम भी सच्चे हिंदुस्तानी हैं, हमें शक की नजर से मत देखो।' इन सभी के चेहरों पर गुस्से और दुख के मिलेजुले भाव रह-रह कर उभर रहे थे। कोई महिला इन नागरिकों के सामने अपने गुस्से का इजहार कर रही है तो कोई पुरुष अपनी मजबूरी और कश्मीर के मौसमी हालात की हकीकत से रूबरू कराने की कोशिश कर रहा था। कुछ हिंदी में बोल रहे हैं तो कुछ कश्मीरी बोली में। इसी भीड़ के बीच से बुजुर्ग महिला अपने लोगों को किनारे करते हुए इस संवाददाता के करीब पहुंची। उसका हाथ पकड़ा और कहा 'गौर से देख मेरी आंखों में, मेरे झुर्री वाले चेहरे को देख, क्या मैं तुझे बेगैरत दिखाई देती हूं।'

इससे पहले कि वह महिला अपनी बात पूरी कर पाती एक अन्य अधेड़ महिला ने अपनी बात कहनी शुरू कर दी 'देख बेटा हम भी बेटियों वाले हैं,हमारी भी इज्जत है। हम कोई गलत काम करने यहां नहीं आए हैं। हम बस गरीबी के मारे हैं और कुछ नहीं। मैं हाथ जोड़ती हूं, अल्लाह का वास्ता देती हूं हमें हमारे हाल पर छोड़ दे बेटा।' इसी बीच एक और बुजुर्ग महिला ने दोनों हाथ जोड़ कर विनती के लहजे में कहा 'हमारी बेटियों पर रहम करो, हमें कुछ ही दिनों में यहां से वापस जाना है। हम नहीं चाहते कि हमारी इज्जत को यूं उछाला जाए... ।' वह अधेड़ महिला अपनी बातें कह ही रही थी कि अधपकी दाढ़ियों वाला एक अधेड़ पुरुष आगे बढ़ा। पहले उसने कश्मीरी बोली में उन किशोरियों को झोपड़ी में जाने के लिए कहा जो स्थानीय नागरिकों को सवालिया नजरों से देख रही थीं। उस अधेड़ के एक आदेश पर सभी किशोरियां झोपड़ी के अंदर चली गईं। उस अधेड़ ने, बाद में जिसका नाम दिलदार खान पता चला, दोनों हाथ जोड़ कर कहा 'हमें कोई तकलीफ नहीं है। न यहां न वहां (कश्मीर), कहीं भी हमें कोई तकलीफ नहीं है। बस हम हालात के मारे हैं। अल्लाह आप सब को बरक्कत दे, बस इतनी सी दरख्वास्त हैं हमें हिकारत भरी नजरों से मत देखो। भारत मां हमारी भी मां है। हम भी भारत मां के बेटा-बेटी हैं।'

पुलिस के हस्तक्षेप के बाद शांत हुआ गुस्सा

संदिग्ध होने के शक पर वाराणसी पुलिस द्वारा छानबीन किए जाने से आहत कश्मीरी नागरिकों का गुस्सा भी पुलिस के हस्तक्षेप से शांत हुआ। स्थानीय नागरिकों के उनकी अस्थाई बस्ती में पहुंचने के बाद अचानक शुरू हुए शोर शराबे को देखते हुए मोहल्ले के एक व्यक्ति ने आदमपुर थाने को सूचना थी। सूचना मिलने के कुछ देर बाद एक एसआई फैंटम दस्ते के साथ मौके पर पहुंचा। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद उनका गुस्सा शांत हुआ और वे अपने बारे में बातचीत करने के लिए तैयार हुए।

सैलाब में उजड़ गए थे गांव के गांव

सन 2014 में आए सैलाब के बाद से इन गरीबों की हालत और भी खराब हो गई। राजघाट के पास अस्थाई झोपड़पट्टी में इन दिनों रह रहे कई परिवार ऐसे हैं जिनके घर उस सैलाब में बह गए थे। वह कयामत बरपा हुए धीरे-धीरे चार साल होने को आए लेकिन वे अब तक दोबारा अपना घर नहीं बना सके हैं।

निकास गेट को लेकर जीटीबी और डीएससीआई में ठनी

नई दिल्ली। गुरु तेग बहादुर अस्पताल (जीटीबी) और दिल्ली राज्य कैंसर चिकित्सा संस्थान (डीएससीआई) में निकास द्वार को लेकर ठन गई है। डीएससीआई के पीछे की तरफ कैंपस रोड पर खुलने वाले निकास को अवैध बताकर जीटीबी उसे बंद करने की कार्रवाई कर रहा है। जबकि डीएससीआई इसे जीटीबी की ओर से किया जा रहा अतिक्रमण और मरीजों के हित की अनदेखी वाली गतिविधि बता रहा है। कैंसर संस्थान प्रशासन कह रहा है कि जहां खुदाई कर दीवार बनाने की बात की जा रही है वहां जीटीबी अस्पताल का न तो कोई विभाग स्थापित है न ही उस स्थान का कोई अन्य उपयोग हो सकता है। उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही है तो वे हमें सूचित करें। संस्थान का कहना है कि इससे शीघ्र आवश्यकता वाले मरीजों को एक अस्पताल से दूसरे में जाने के लिए दिक्कतें होंगी। वहीं जीटीबी प्रशासन डीएससीआई के पिछले गेट को ही अवैध बता रहा है।

»» साइबर अपराध से निपटने के लिए पुलिस के तीन साल के रोडमैप की समीक्षा की एलजी ने

साइबर क्राइम ने निपटने को सक्षम मानव संसाधन जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराज्यपाल अनिल बैजल ने कानून व्यवस्था की बैठक में साइबर अपराध से निपटने के लिए दिल्ली पुलिस के तीन साल के रोडमैप की समीक्षा की। इस बैठक में एलजी ने कहा कि लोगों को इसके संबंध में शिक्षित करने के लिए एक प्रभावी जागरूकता अभियान चलाया जाए ताकि वह अपने उपकरणों को प्रयोग में इस बात का ध्यान रखें कि उनकी निजी सूचना चोरी न हो रही हो। उपराज्यपाल ने निर्देश दिए कि दिल्ली पुलिस कौशल विकास और समर्पित मानव संसाधन पर ध्यान दे क्योंकि साइबर क्राइम से मुकाबला करने के लिए यह जरूरी हथियार हैं। इस बैठक में दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव, प्रधान गृह सचिव, पुलिस आयुक्त, विशेष पुलिस आयुक्त एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त उपस्थित थे।दिल्ली पुलिस ने प्रचलित साइबर अपराधों और उन्हें जांचने के लिए प्रभावी उपायों के बारे में एक प्रस्तुतीकरण किया और यह बताया कि साइबर अपराध से निपटने के लिए तकनीक के साथ-साथ मानवीय पहलुओं को भी शामिल किया जा रहा है। उपराज्यपाल को अन्य मुद्दों तथा बहुस्तरीय ढांचा जिसमें पुलिस थाने की साइबर टीम और साइबर सेल और केन्द्रीकृत साइबरक्राइम शाखा भी शामिल है के बारे में बताया गया। उपराज्यपाल को दिल्ली पुलिस द्वारा यह भी बताया गया कि दिल्ली पुलिस प्रभावी तरीके से रेनसमवेयर, बिटक्वाइन की चोरी, धोखा देना आदि के बारे में नजर रख रहा है और उस पर कार्यवाही भी की जा रही है। इसके अतिरिक्त नेटवर्क फोरेंसिक, क्लाउड फोरेंसिक, एडवांस मोबाइल फोरेंसिक आदि नए क्षेत्रों को भी इसमें शामिल किया गया है। बैठक में तीन साल की गतिविधियों पर भी चर्चा की गई। उपराज्यपाल ने आवधिक आंकलन पर जोर दिया और इसके संबंध में की गई प्रगति की समीक्षा के लिए भी कहा ताकि काम समय पर पूरा किया जा सके।

दुनिया को अपना सर्वश्रेष्ठ दीजिए
और आपके पास सर्वश्रेष्ठ लौटकर आएगा
-स्वामी दयानंद सरस्वती

लेनदेन बैंक

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने कबूल किया है कि उसके अंतरराष्ट्रीय लेनदेन में कुछ ऐसी गड़बड़ हुई है, जिसकी वजह से करीब 11 हजार करोड़ के दायित्व इस बैंक को झेलने पड़ सकते हैं। करीब 11000 करोड़ रु पये इतनी बड़ी रकम है, इसका अंदाज इससे लगाया जा सकता है कि पूरे पीएनबी की कीमत शेयर बाजार के हिसाब से करीब 30000 करोड़ रुपये की है। यानी अपनी कुल कीमत के करीब एक तिहाई मूल्य के दायित्व इस घोटाले की वजह से पैदा हुए इस बैंक के लिए। इस बैंक को हाल में जितनी नई पूंजी सरकार से मिली थी, उस पूंजी की करीब दोगुनी रकम इस घोटाले में उड़ने की आशंका है। मोटे तौर पर इस घोटाले को यूं समझा जा सकता है कि पीएनबी से करीब 11000 करोड़ के भुगतान की ऐसी गारंटी ग्लोबल संस्थानों को दी गई, जिसके बारे में बैंक का कहना है कि वह गारंटी अनिधकृत थी। यानी बैंक में शीर्ष प्रबंधन को नहीं पता पर किसी जूनियर अफसर ने पीएनबी की तरफ से ऐसी गारंटी दे दी। कई स्तर की तकनीकी मंजूरियां जरूरी होती हैं। अब बैंक ने 10 कर्मियों को निलंबित किया है। सीबीआई की जांच शुरू है। पर इस घोटाले के मुख्य आरोपित देश से बाहर जा चुके हैं। एक पैटर्न बन गया है। बड़ा घोटाला करो विजय माल्या की तरह देश से बाहर निकल जाओ। फिर कानूनी प्रक्रिया की जटिलताओं के चलते आरोपी को दंडित करने में बहुत दिक्कतें आती हैं। गौरतलब है पीएनबी सरकारी बैंक है। इसमें घोटाले के राजनीतिक निहितार्थ हैं। इसीलिए घोटाले की खबर आते ही यह स्पष्टीकरण आ गया कि यह घोटालेबाजी 2011 से यानी मौजूदा सरकार के 2014 में आने से पहले चल रही है। राजनैतिक बहस अपनी जगह; पर मुद्दा यह है कि इतने बड़े बैंक को सरकार डूबने नहीं देगी। उसमें और पूंजी डाली जाएगी। यह पूंजी जाहिर है करदाताओं की जेब से ही जाने वाली है। बैंकिंग में बहुत तेजी से बदलाव हो रहे हैं। घोटाले अब पुराने तरीके से नहीं हो रहे हैं। ग्लोबल बैंकिंग में ऐसा घोटाला हो रहा है कि नुकसान तो भारतीयों का हो रहा है और अपराधी विदेश में मजे कर रहा है। इस नाते जरूरी है कि सिस्टम और प्रक्रिओं को भी मजबूत किया जाए। नये तरह के घोटालों से सबक लेकर नई व्यवस्था हो, वरना चिड़िया के खेत चुग जाने के बाद सिर्फ रुदन ही बचेगा।

मुठभेड़ फर्जी

सात तालों के भीतर से भी झांकता है और उसकी परदादारी गोयबल्स जैसा तिकड़मी और दिमागदार जब नहीं कर पाया तो हमारी- आपकी बिसात ही क्या? गोयबल्स हिटलर का दाहिना बाजू था और उसका दावा था कि अगर किसी झूठ को भी सौ बार सच कह कर प्रचारित किया जाए तो वह सच हो जाता है। ऐसा ही एक सच इस देश में 2008 से दबा-छुपा चल रहा था। उसकी विश्वसनीयता पर सहज भरोसा नहीं जम पा रहा था। आलिमफाजिलों और बुद्धिजीवियों की जमात के गले के नीचे यह बात आसानी से नहीं उतर रही थी कि दिल्ली के बटला हाउस में उस साल जो मुठभेड़ हुई और जिसमें पुलिस इंस्पेक्टर मोहन चंद्र शर्मा को अपनी जान गंवानी पड़ी, वह मुठभेड़ फर्जी नहीं थी। बटला हाउस के उस फ्लैट में वाकई आतंकी छिपे थे-ऐसे खूंखार आतंकी जिन्होंने दिल्ली के मुख्तलिफ इलाकों, जयपुर और अहमदाबाद में सीरियल धमाकों का ब्लूप्रिंट तैयार किया था। इन धमाकों में 165 लोग मारे गए और तीन सौ से भी ज्यादा लोग घायल हुए। पूर्वी उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले का आरिज उर्फ जुनैद देश को दहला देने की इस जानलेवा साजिश का किंगपिन था, बम बनाने और बम बिछाने का मास्टर माइंड जिसे स्पेशल सेल ने मंगलवार को नेपाल सीमा से उसके साथी की निशानदेही पर गिरफ्तार किया। जुनैद के साथी के बयान पर भरोसा करें तो बटला हाउस एनकाउंटर के समय इंडियन मुजाहिदीन का खूंखार जुनैद भी उसी फ्लैट में था लेकिन पुलिस पार्टी को झांसा देकर भाग निकला। तबसे वह लगातार फरार चल रहा था और इनाम-दर इनाम की घोषणाएं भी आई- गई साबित हो रही थीं।

कभी वह सऊदी अरब में होता तो कभी नेपाल में तो कभी कहीं और। दस साल बाद वह पकड़ में आया। दस साल पीछे लौटें आम आदमी पार्टी और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के इस कांड की बाबत दिए गए बयान को याद करें। तत्कालीन गृह मंत्री पी चिदंबरम ने हालांकि उनके बयान से पार्टी को यह कहते हुए अलग कर लिया कि यह दिग्गी राजा का निजी बयान है और इसे आधिकारिक न माना जाए। ध्यान देने की बात है कि उस समय केंद्र में यूपीए की ही सरकार थी। क्या अब भी किसी को कोई शक है कि मुठभेड़ जैसी कोई घटना नहीं हुई थी? जुनैद की गिरफ्तारी नकली बौद्धिकता को भी बेनकाब करती है, क्या अब इसमें भी ना- नुकुर की कोई गुजाइश बची है?

सत्संग

''उपासना'

अपने जीवन में हीरो बनने के बजाए साइड रोल कीजिए। यह तरीका ''उपासना' कहलाता है। इसका मतलब हुआ कि आप अपने ही जीवन में, एक तरफ किनारे बैठ गए। सारी साधनाएं बुनियादी रूप से किसी-न-किसी रूप में आपको मिटाने के लिए होती। आप अपने व अपने जीवन के बारे में जो कुछ भी कड़वी या मीठी बात जानते हैं, वे सब महज कार्मिक तत्वों की एक बहुत बड़ी पोटली है, वह आपका मूल अस्तित्व नहीं है। मूल अस्तित्व न तो मधुर होता है और न ही कटु। यह उस तरह से है ही नहीं, जिस तरह से आप चीजों को लेकर सोचते हैं। जिस तरह से यह शरीर यहां है, एक पेड़ वहां है, एक पत्थर यहां है, उस अर्थ में यह वहां है ही नहीं। यह वहां एक संभावना के तौर पर है, एक द्वार के रूप में है। अगर आपका दिमाग पूरी तरह से खाली हो तो आपके लिए हर चीज एक संभावना बन जाती है। आपमें कुछ काबिलियत है तो आप किसी दूसरे की तुलना में स्मार्ट कहलाएंगे, लेकिन आप खुद में निरे मूर्ख होंगे। सिर्फ समाज की वजह से ही आप स्मार्ट नजर आते हैं। तो सामाजिक रूप से तो आप बच जाते हैं, लेकिन अस्तित्व के स्तर पर अगर बात करें तो यह काम नहीं करता। मैं जब भी कोई चीज देखना चाहता हूं तो मैं सिर्फ एक ही जगह देखता हूं अपने भीतर। चूंकि भीतर कुछ नहीं है तो इस स्थिति में हर चीज आपका हिस्सा बन जाती है। अब समस्या है कि खुद को अपने आप से आजाद कैसे रखा जाए। कुछ लोग खुद से ही पूरी तरह भरे हुए होते हैं, जो साफ तौर पर दिखता है। खुद को एक तरफ रख देना न तो मुश्किल है और ना ही आसान, बस यह थोड़ा अलग है। अगर आप कोशिश करेंगे तो यह कारगर नहीं होगा, अगर आप कुछ नहीं करेंगे तब भी यह काम नहीं करेगा दुनिया में अगर आप कुछ बनना चाहते हैं। चीजों को करते-करते आप बड़े और बड़े होते जाते हैं, तब दुनिया आपको पहचानने लगती है, लोग आपके काम पर तालियां बजाते हैं और आप जिसे आप समझते हैं, वो बड़ा बन जाता है। सामाजिक रूप से तो यह अच्छा है, लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकलता। अगर आप चुपचाप बैठ जाएं तो आप पाएंगे कि आप खुद से ही परेशान हो गए। दरअसल, इंसान कुछ करने के बजाए तब ज्यादा परेशान होता है, जब उसके पास करने के लिए कुछ नहीं होता।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्य सरकारों से अस्पतालों के सख्त नियमन को कहा। अब कई हफ्तों बाद जैसे सब कुछ भुला दिया गया है, और लगता है कि ''तौर-तरीके' पुराने ढें पर लौट आए हैं। जनवरी, 2018 के मध्य में किए एक सव्रेक्षण से पता चला कि दस में से नौ लोगों को देश की स्वास्थ्य पण्राली पर विास नहीं है। स्वास्थ्य देखभाल संबंधी सुविधाओं और प्रदाताओं के खिलाफ हिंसा की खबरों (जो देश के प्रत्येक हिस्से से मिल रही हैं) से भी इसकी पुष्टि होती है। दिल्ली, गुड़गांव और गोरखपुर की हालिया घटनाओं से लोगों और स्वास्थ्य पण्राली के बीच बढ़ते ''अविास' की तस्दीक होती है। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की बाबत कुछ ज्यादा नहीं कहा जा सकता।

सतीश पेडणोकर

भारत जैसे देश में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए केवल सख्ती (नियम-कायदों) से ही बात नहीं बनेगी बल्कि प्रोत्साहन भी देने होंगे। सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों में ऐसा किया जाना जरूरी है ताकि गुणवत्ता मानकों और विनियमनों को उत्तरोत्तर लागू कराया जा सके। तय स्वीकारना होगा कि किसी भी क्षेत्रमें चिकित्सकीय चूक स्वाभाविक है। सर्वश्रेष्ठ मानी जाने वाली स्वास्थ्य पण्रालियों में भी शून्य चूक संभव नहीं है। 2017 के उत्तरार्ध में दिल्ली और गुड़गांव के निजी अस्पतालों में ज्यादा फीस वसूले जाने तथा लापरवाही के मुद्दों ने मीडिया और आम जनता का खासा ध्यान खींचा। नतीजतन, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्य सरकारों से अस्पतालों के सख्त नियमन को कहा। अब कई हफ्तों बाद जैसे सब कुछभुला दिया गया है, और लगता है कि ''तौर-तरीके' पुराने ढें पर लौट आए हैं। जनवरी, 2018 के मध्य में किए एक सव्रेक्षण से पता चला कि दस में से नौ लोगों को देश की स्वास्थ्य पण्राली पर विास नहीं है। स्वास्थ्य देखभाल संबंधी सुविधाओं और प्रदाताओं के खिलाफ हिंसा की खबरों (जो देश के प्रत्येक हिस्से से मिल रही हैं) से भी इसकी पुष्टि होती है। दिल्ली, गुड़गांव और गोरखपुर की हालिया घटनाओं से लोगों और स्वास्थ्य पण्राली के बीच बढ़ते ''अविास' की तस्दीक होती है।

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की बाबत कुछज्यादा नहीं कहा जा सकता। अलबत्ता, उपलब्ध जानकारी से संकेत मिलता है कि स्वास्थ्य सेवाएं गुणवत्तापूर्ण नहीं हैं। यह स्थिति सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों में है। लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार की मंशा सीमित है। अलबत्ता, हालिया घटनाओं से सबक जरूर सीखे जा सकते हैं, और तद्नुसार काफी कुछ किया जा सकता है। भारत में नियामकीय माहौल और नियम-कायदों का अनुपालन करने में समाज तत्पर नहीं दिखता। स्वास्थ्य क्षेत्र अपवाद नहीं है। आये दिन हम लोगों को यातायात संकेतों की अनदेखी करते देखते हैं, और उनमें ज्यादातर सजा से बच निकलते हैं। सीट बेल्ट और हेल्मेट कानूनन अनिवार्य हैं, लेकिन बड़े शहरों के अलावा इस नियम की शायद ही कहीं अनुपालना होती हो। बल्कि कानून की पालना करने वालों को ऐसी अनुशासनहीनता निरुत्साहित कर देती है।

केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए क्लीनिकल एस्टेबलिशमेंट (रजिस्ट्रेशन एंड रेग्यूलेशन) एक्ट, 2010 को अधिकांश राज्यों ने अंगीकृत या क्रियान्वित नहीं किया है। राज्य सरकारें नियमन की दिशा में कोई प्रयास करती हैं, तो चिकित्सा क्षेत्रके शक्तिशाली संगठन विरोधमें उतर आते हैं। कहना यह कि नियामक प्रावधान हैं, लेकिन समस्या उनकी अनुपालना कराने की है। सरकार को सबसे पहले सरकारी क्षेत्र के लिए तैयार किए जा चुके इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टेंडडस (आईपीएचएस) लागू कराने चाहिए। अनजाने में ही सही लेकिन सरकारों ने बार-बार संकेत दिए हैं कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उसके दो पृथक पैमाने हैं। जहां दिल्ली के एक निजी अस्पताल (मैक्स शालीमार, 30 नवम्बर, 2017) में चिकित्सकीय चूक या लापरवाही पर अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर दिया (जिसे अदालत ने बहाल कर दिया था) गया तो वहीं करीब-करीब ऐसी ही चूक दिल्ली के एक बड़े सरकारी अस्पताल (सफदरजंग हॉस्पिटल, नई दिल्ली, 18 जून, 2017) में हुईतो प्रतिक्रिया सिरे से अलग थी। गोरखपुर के अस्पताल में ऑक्सीजन की आपूत्तर के अभाव और कथित लापरवाही से बच्चों की मौत वैसी ही त्रासदी है, जैसी दिल्ली के निजी अस्पतालों की त्रासदीपूर्ण घटनाएं। भारत जैसे देश में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए केवल सख्ती (नियम-कायदों) से ही बात नहीं बनेगी बल्कि प्रोत्साहन भी देने होंगे। सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों में प्रोत्साहन मुहैया कराने होंगे और तौर-तरीकों को चुस्त-दुरुस्त करना होगा ताकि गुणवत्ता मानकों और विनियमनों को उत्तरोत्तर लागू कराया जा सके। तय स्वीकारना होगा कि किसी भी क्षेत्रमें चिकित्सकीय चूक स्वाभाविक है। सर्वश्रेष्ठ मानी जाने वाली स्वास्थ्य पण्रालियों में भी शून्य चूक संभव नहीं है। स्वास्थ्य सेवाओं और उन्हें प्रदान करने वालों से वास्तविक अपेक्षाओं को तभी पूरा किया जा सकेगा जब जागरूकता बढाईजाए और जागरूक माहौल तैयार किया जाए। भारतीय स्वास्थ्य पण्राली में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों का विास जमाने पर ध्यान देना होगा। निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के सेवा प्रदाताओं और डॉक्टरों को भी स्व-नियमन की तरफ थोड़ा ध्यान देना होगा। चिकित्सकीय चूक की घटनाओं को तंग नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए बल्कि इन्हें अवसरों के रूप में देखा जाए जिनका उपयोग आम जनता की नजर से ओझल लेकिन चिकित्सकीय क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पसरीं विसंगतियों को दूर करने में किया जा सकता है।

सेवाओं के लिए वाजिब से ज्यादा फीस लिया जाना, रोगियों को अस्पताल के बजाय बाहर से दवाएं खरीदने के लिए विवश किया जाना और नैदानिक और रैफर करने के गलत तौर-तरीकों का इस्तेमाल किया जाना आदि ऐसे मुद्दे हैं, जिन्हें सिलसिलेवार हल किया जाना चाहिए। भारत में अस्सी प्रतिशत स्वास्थ्य सेवाएं निजी क्षेत्रमुहैया कराता है। इस क्षेत्र पर बहुत ज्यादा नियमन लागू किया गया तो गरीबों की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच कम हो जाएगी। न केवल इतना बल्कि उनके लिए स्वास्थ्य सेवाएं महंगी भी हो जाएंगी। ऐसा कुछ भी होता है, वह वांछनीय नहीं होगा। भारत में स्वास्थ्य राज्यों का विषय है, और इसकी प्राय: राज्य सरकारों द्वारा अनदेखी होती है। इस क्षेत्रमें विास बहाली के लिए जरूरी है कि सरकार निजी तथा अन्य क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल के लिए ज्यादा पैसा मुहैया कराए। सरकार के स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा पुख्ता होने से लोगों को मनमाफिक स्वास्थ्य सेवाएं लेने में सहायता मिलेगी। उन्हें स्वास्थ्य सेवाएं लेने में बर्बाद होने का खतरा भी नहीं रहेगा। चिकित्सकीय चूक की हालिया घटनाओं पर सबका ध्यान गया लेकिन भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों इसके लिए प्रयास सीमित ही रहे। ऐसे में समझ नहीं आ रहा कि भारतीय स्वास्थ्य देखभाल पण्राली में सुधार के लिए किस तरह से आगे बढ़ा जाए? क्या किया जाए कि इस क्षेत्रका कायाकल्प हो जाए? लोगों का स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र से जो विास उठा है, उसे फिर से बहाल करना भारतीय स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्रकी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। आधे-अधूरे प्रयासों से बात नहीं बनेगी। एक तो यह हो सकता है कि केंद्र तथा राज्य सरकारें स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए निवेश का एक खाका तैयार करें ताकि निजी और सार्वजनिक, दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाया जा सके।

चलते चलते

सांप्रदायिक खांचे

भारतीय सेना को हमेशा जाति-धर्म के ऊपर रखा गया है। सैनिकों की शहादत को देश सर्वोच्च मान देता है। सेना को देश की एकता कवच के तौर पर देखा जाता है। लेकिन हाल-फिलहाल कुछ सियासतदानों ने इस महकमे को भी सांप्रदायिक खांचे में रखने की कोशिश की है। समय-समय पर राजनीतिक दल और नेताओं की बदजुबानी इस मजबूत नकारात्मक धारणा की पुष्टि भी कराती है। ऐसा उदाहरण ढूंढना मुश्किल है, जब किसी सैनिक की शहादत के बाद उसके जाति-धर्म को सार्वजनिक किया गया हो। जहां एक तरफ देश जम्मू के सुंजवां में अपने सात सैनिकों की शहादत पर फख्र महसूस कर रहा है, वहीं एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी इसे सांप्रदायिक रंग देने में दिन-रात एक किए हुए हैं। एक सांसद

देश की एकता कवच के तौर पर देखा जाता है। लेकिन हाल-फिलहाल कुछ सियासतदानों ने इस महकमे को भी सांप्रदायिक खांचे में रखने की कोशिश की है। समय-समय पर राजनीतिक दल और नेताओं की बदजुबानी इस मजबूत नकारात्मक धारणा की पुष्टि भी कराती है। ऐसा उदाहरण ढूंढना मुश्किल है, जब किसी सैनिक की शहादत के बाद उसके जाति-धर्म को सार्वजनिक किया गया हो।

के तौर पर संविधान की शपथ लेने वाले ओवैसी ने निर्लज्ज तरीके से शहीदों को धर्म के आधार पर बांट दिया। हमेशा अपने विवादास्पद बयानों के लिए कुख्यात ओवैसी यह कहते हुए कि, शहीद होने वालों में पांच कश्मीरी मुसलमान भी हैं, देश भर से प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। बात इतनी बढ़ी कि सेना को सामने आना पड़ा। और बयान की लानत-मलामत करनी पड़ी। सेना का चरित्र हमेशा धर्मनिरपेक्ष रहा है। यही उसकी ताकत भी है। अपने शर्मनाक बयान पर चौतरफा घिरने के बाद ओवैसी यह तर्क देते फिर रहे हैं कि चूंकि मुसलमानों की देशभक्ति पर कुछ लोग प्रश्नचिह्न खड़ा करते रहते हैं, उनकी राष्ट्रीयता को संदिग्ध बनाने का प्रयास करते रहते हैं, इसलिए उन्हें यह बयान देना पड़ा। उनके अनुसार मुसलमानों की शहादत पर चर्चा नहीं होती। खैर ओवैसी की राजनीतिक जमीन को खाद-पानी कहां से मिलता है, इस बारे में बताने की जरूरत नहीं। लेकिन ओवैसी बहस को इस स्तर पर ले आएंगे यह उम्मीद नहीं थी। वो यह भी भूल गए देश में कोई वीर अब्दुल हामिद भी, अशफाक उल्लाह जैसे होनहार-जांबाज भारत माता के सपूत भी थे। देश की किसी कौम को ओवैसी जैसे संकीर्ण मानसिकता से देशभक्ति के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं।

फोटोग्राफी...

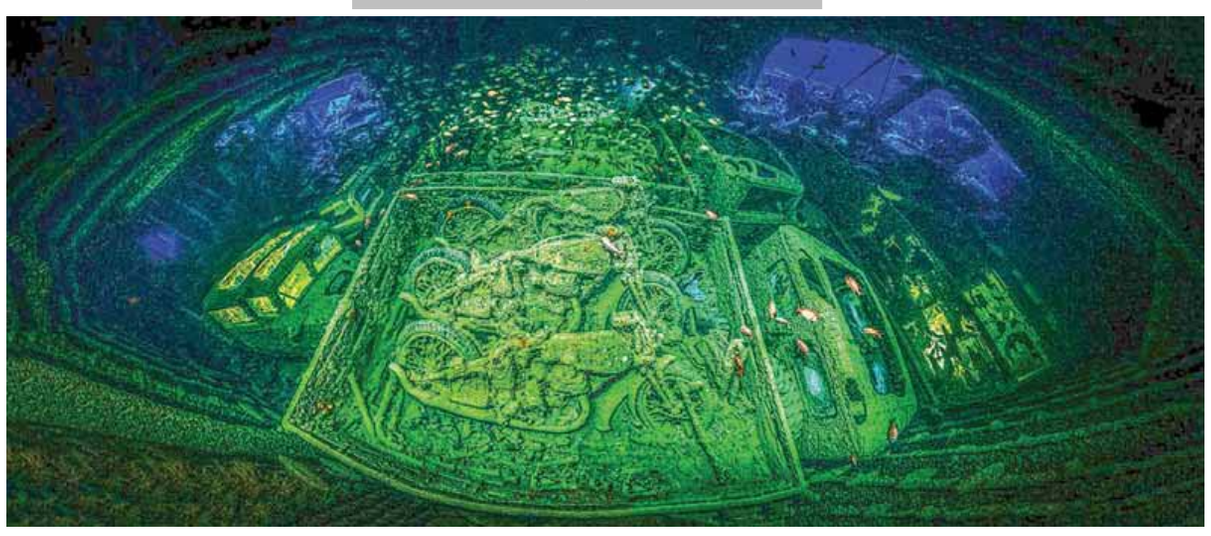

समुद्र की गहरा ई में बनाया पैनोरमा व्यू ,बने अंडरवॉटर फोटोग्राफर ऑफ द ईयर

यह फोटो समुद्र की गहराई में डूबे जहाज का पैनोरमा शॉट है, जिसे जर्मन फोटोग्राफर टॉबिस फ्रेडरिक ने मिस्र के शर्म अल शेख शहर से कुछ दूर क्लिक किया है। यह जगह उनके दिमाग में कई वर्षों से थी, लेकिन पर्याप्त जगह और रोशनी नहीं होने के कारण सिंगल फ्रेम में अच्छा फोटो नहीं बन पा रहा था। इस अंडरवॉटर फोटो में उन्होंने दूसरे विश्वयुद्ध की मोटरसाइकलें और सैन्य ट्रकों का वह हि स्सा दि खाया है जो उस दौरान किसी जहाज में था और वह डूब गया था। फ्रेडरिक व्यंग्य करते हैं कि इस फोटो में 'सोल्जर फिश' भी हैं, जो जहाज की इन सामग्रियों की सुरक्षा के लिए पेट्रोलिंग करती हैं। इस अंडरवॉटर पैनोरमा शॉट के लिए फ्रेडरिक ने बहुत कम समय में कई सारे फोटो क्लिक किए, फिर उन्हें स्टिच करके पैनोरमा शॉट तैयार किया। इस फोटो के कारण उन्हें वर्ष 2018 के लिए अंडरवॉटर फोटोग्राफर ऑफ द ईयर चुना गया। स्पर्धा के प्रमुख जज पीटर रॉलैन्ड ने डूबे जहाज के विशाल दृश्य वाले इस फोटो को असाधारण बताया।

iflscience.com

साइंस गॉट वूमेन

ब्रिटिश विज्ञान लेखिका एजेंला सैनी अपनी चर्चित किताब ''इंफि रियर:हाउ साइंस गॉट वूमेन रॉंग' अर्थात विज्ञान ने किस तरह महिलाओं के साथ अन्याय किया; अमेरिका के एक प्रतिष्ठित विविद्यालय येल में हुए एक दिलचस्प अध्ययन का जिक्र करती है। वैज्ञानिकों के स्तर पर भी किस तरह जेण्डर के मसले पर पूर्वाग्रह काम करते हैं या नहीं करते हैं, इसकी परीक्षा लेने के लिए 100 वैज्ञानिकों के पास लेबोरेटरी मैनेजर की पोस्ट के लिए/काल्पनिक/आवेदन भेजे गए। इन सभी आवेदन योग्यता के मामले में एक जैसे ही थे, मगर उसमें एक चालाकी यह की गई थी कि आधे आवेदन पुरुषों के नाम थे तो बाकी आधे स्त्रियों के नाम थे। अधिकतर ने, जिनमें महिला वैज्ञानिक भी शामिल थीं, उन्हीं आवेदनों को चुना जिनमें पुरुषों का नाम लिखा गया था। विज्ञान के क्षेत्र में भी गहरे रूप में व्याप्त पूर्वाग्रहों के इस अध्ययन ने बरबस एक दूसरे अध्ययन की याद ताजा की, जिसे भारत की अग्रणी कंपनियों में जाति संबंधी संवेदनाओं की पड़ताल करने के लिए अमेरिका के ही दूसरे प्रतिष्ठित विविद्यालय-प्रिन्स्टन यूनिवर्सिटी ने-भारत की ''इण्डियन इंस्टिट्यूट आफ दलित स्टडीज' के साथ मिल कर अंजाम दिया था। अमेरिका में अेतों एवं अन्य अल्पसंख्यक तबकों के साथ होने वाले भेदभाव को नापने के लिए बनाई गई तकनीक का इस्तेमाल करते हुए प्रस्तुत अध्ययन में लगभग पांच हजार आवेदनपत्र भारत की अग्रणी कंपनियों को 548 विभिन्न पदों के लिए भेजे गए। योग्यताएं एक होने के बावजूद इसके तहत कुछ आवेदनपत्रों के आवेदकों के नाम से यह स्पष्ट हो रहा था कि वह दलित समुदायों से संबंधित हैं। दलित सदृश्य नामों वाले प्रत्याशी नौकरी की पहली ही सीढ़ी पर छांट दिए गए थे। कड़वी सच्चाई यही है कि भद्र कही जाने वाली जातियों की कापरेरेट बोर्ड में बहुतायत एवं उनमें मौजूद पूर्वाग्रहों के चलते ही वंचित तबकों को उनमें स्थान नहीं मिल पा रहा है। संसदीय समिति की रिपोर्ट और अकादमिक जगत के अध्ययन इसी बात की ताईद करते हैं। कुछ समय पहले सम्पन्न संसदीय समिति के अध्ययन में एयर इण्डिया में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के कम प्रतिनिधित्व को लेकर सरकार की आलोचना की और इस बात की हिमायत की थी कि न केवल उच्च श्रेणी के अधिकारियों के पदों पर अनुसूचित तबकों की नियुक्ति एवं उनके लिए आरक्षण मिलना चाहिए बल्कि सरकार को इस बात को भी सुनिश्चित करना चाहिए कि कंपनी के निदेशक बोर्ड में अनुसूचित जाति/जनजाति के सदस्य को स्वतंत्र निदेशक के तौर पर स्थान मिलना चाहिए। कमेटी के मुताबिक अनुसूचित तबके के अधिकारियों को भी नेशनल एविएशन कंपनी आफ इण्डिया लिमिटेड के निदेशक मण्डल पर नियुक्त किया जाना चाहिए। प्रस्तुत रिपोर्ट का जिन दिनों प्रकाशन हुआ। दिनों कनाडा के यूनिवर्सिटी आफ नार्थ कोलम्बिया के विद्वतजनों-डी. अजित, हान दोनकर एवं रवि सक्सेना-की टीम द्वारा भारत के कापरेरेट बोडरे की समाजशास्त्रीय विवेचना सामने आई। अपने अध्ययन में उन्होंने भारत की अग्रणी एक हजार कंपनियों के कापरेरेट बोर्ड का अध्ययन किया, जिनका देश के अग्रणी स्टॉक एक्स्चेंज में दर्ज सभी कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन अर्थात बाजार पूंजीकरण में हिस्सा 4/5 था। बोर्ड की सामाजिक संरचना जानने के लिए उन्होंने ब्लाउ सूचकांक का प्रयोग किया, जिसके मुताबिक कापरेरेट बोर्ड में विविधता बिल्कुल नहीं है और भारत के ये कापरेरेट बोर्ड आज भी ओल्ड बॉयज क्लब बने हुए हैं।

रोटरडम ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे रोजर फेडरर

रोटरडम (नीदरलैंड)। स्विस स्टार रोजर फेडरर ने जर्मनी के फिलिप कोलश्रेबर पर 7-6, 7-5 की जीत से रोटरडम ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया जहां उनकी भिड़ंत हालैंड के रोबिन हासे से होगी। दूसरे वरीय ग्रिगोर दिमित्रोव ने सर्बिया के फिलिप क्राजिनोविच को 7-6, 7-5 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। अब इस बुल्गारियाई खिलाड़ी का सामना आंद्रे रूबलेव से होगा जिन्होंने करीब दो घंटे तक चले मुकाबले में दामिर जुमहुर को 6-4, 7-6 से मात दी। रूसी खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने फ्रांस के पियरे हुगुएस हरबर्ट को 3-6, 7-6, 6-4 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। 20 ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले फेडरर अगर क्वार्टरफाइनल में जीत जाते हैं तो वह टेनिस रैंकिंग में अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी और करीबी मित्र राफेल नडाल को शीर्ष स्थान से हटा देंगे। इस तरह यह स्विस खिलाड़ी विश्व रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंचने वाला सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन सकता है। वह इस तरह आंद्रे अगासी को पछाड़ देंगे जो 2003 में 33 साल और 131 दिन की उम्र में शीर्ष रैंकिंग पर पहुंचे थे। फेडरर पिछले साल जनवरी में विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर थे लेकिन इसके बाद उन्होंने फार्म में वापसी करते हुए आस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता। तब से उनका विजय अभियान जारी है। उन्होंने कहा, ''यह शानदार चुनौती है, मैं वहां पहुंचने की कोशिश में जूझ रहा था। मुझे इसके लिये पिछले साल कई मैच जीतने पड़े। ''फेडरर ने कहा, ''फरवरी 2016 में हुई घुटने की सर्जरी के बाद मैंने इसके बारे में सोचा नहीं था। नंबर एक स्थान हासिल करना काफी मुश्किल है।''

युकी भांबरी ने उचियामा को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया

चेन्नई। भारत के दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी युकी भांबरी ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जापान के यासुटाका उचियामा को हराकर चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दिल्ली के इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले सेट में अपने प्रतिद्वंद्वी को बढ़त बनाने दी लेकिन इसके बाद उन्होंने वापसी करते हुए अगले दो सेट अपने नाम कर 5-7, 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की। युकी पहले सेट में मिले मौकों को अंक में तब्दील नहीं कर सके जिससे छठे वरीय उचियामा ने इसे हथिया लिया। लेकिन दूसरे सेट में उन्होंने अपने खेल के स्तर में सुधार किया और कुछ तेज तर्रार शाट से दो बार उचियामा की सर्विस तोड़कर 28 मिनट में बराबरी हासिल की।निर्णायक सेट में भारत के इस नंबर एक खिलाड़ी ने कुछ शानदार विनर जमाये जिससे जापानी खिलाड़ी पस्त हो गया। युकी ने फॉरहैंड वॉली विनर से मैच अपने नाम किया।

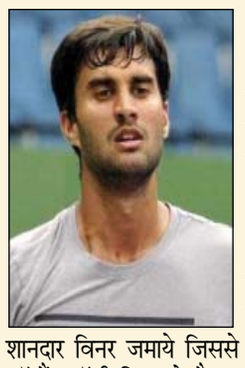

विश्व रैंकिंग में 111वें नंबर पर काबिज युकी का सामना अब सेमीफाइनल में कोरिया के तीसरे वरीय डखी ली से होगा जिन्होंने फ्रांस के गैर वरीय एंटोनी इस्कोफियर पर 6-2, 3-6, 6-3 से जीत दर्ज की। शीर्ष वरीय जोर्डन थाम्पसन के लिये चीजें काफी आसान रहीं, उन्होंने सर्बिया के डेनिलो पेट्रोविच के रिटायर होने से अंतिम चार में प्रवेश किया। पेट्रोविच तब 4-6, 0-3 से पिछड़ रहे थे। यह आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अब फाइनल में प्रवेश करने के लिये स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज से भिड़ेगा जिन्होंने मिस्र के मोहम्मद सफवात को 7-5, 6-2 से मात दी। युगल में तुर्की के सेमी इकेल और पेट्रोविच ने सोनचाट रतीवाताना और सांचाई रतीवाताना की शीर्ष वरीय जोड़ी को तीन सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में हराया। अब उनका सामना फाइनल में भारत के एन श्रीराम बालाजी और विष्णु वर्धन की जोड़ी से होगा जिन्होंने लुका मारगारोली और साकेत मायनेनी को 6-3, 7-5 से हराया।

मेयर ने नार्वे का दबदबा खत्म किया, सुपर-जी का स्वर्ण जीता

प्योंगचांग। आस्ट्रिया के माथियास मेयर ने नार्वे के स्कायरों को चौंकाते हुए यहां प्योंगचांग शीतकालीन ओलंपिक की पुरुष सुपर-जी स्पर्धा में रोमांचक जीत दर्ज की। नार्वे ने 2002 से इस स्पर्धा में दबदबा बनाया हुआ था, ओलंपिक की पिछली आठ सुपर-जी रेस में से पांच उन्होंने अपने नाम की थी। लेकिन मेयर ने नार्वे के गत चैम्पियन जेटिल जानस्रुड पर बढ़त बनाते हुए एक मिनट 24.44 सेकेंड के समय से पहला स्थान हासिल किया। स्विट्जरलैंड बीट फियूज 0.13 सेकेंड से पिछड़कर दूसरे स्थान पर रहे जबकि जानस्रुड ने कांस्य पदक हासिल किया। जानस्रुड आस्ट्रिया के मेयर से 0.18 सेकेंड से पिछड़ गये।

विश्वनाथन आनंद, गुजराती ने प्रो शतरंज लीग में मुंबई को अहम जीत दिलायी

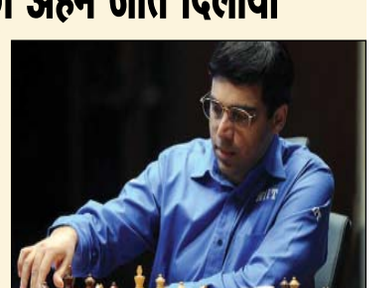

नयी दिल्ली। विश्व रैपिड शतरंज चैम्पियन विश्वनाथन आनंद और ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती की मदद से मुंबई मूवर्स प्रो शतरंज लीग की अंक तालिका में अपने शीर्ष स्थान पर कायम रही। आनंद और गुजराती की मदद से मुंबई ने वोल्गा स्टोर्मब्रिंगर्स को 9-7 से शिकस्त दी जिससे टीम पांच अंक लेकर छठे दौर के बाद अर्मेनिया ईगल्स और दिल्ली डायनामाइट्स पर एक अंक से बढ़त बनाये है। यह दुनिया की पहली आनलाइन शतरंज लीग है। आनंद ने पिछले हफ्ते पांचवें दौर में अपनी टीम के लिये लीग में पदार्पण किया। उन्होंने कहा, ''हमारे लिये सबकुछ ठीक रहा। मैं और विदित अच्छा खेले जिससे टीम ने आसानी से जीत दर्ज की।' आनंद और विदित ने मुंबई मूवर्स के लिये काफी अंक जुटाये, प्रत्येक ने चार में से 3.5 अंक हासिल किये जबकि राकेश कुलकर्णी ने चार में से 1.5 अंक और समीर काठमाले ने चार से आधा अंक प्राप्त किया। इस 32 टीमों की लीग में तीन और दौर खेले जाने हैं। लीग चार डिविजन में विभाजित है, प्रत्येक डिविजन से चार शीर्ष टीमें अगले चरण में पहुंचेगी जो नाकआउट प्रारूप में खेला जायेगा।

भारत/दक्षिण अफ्रीका : छठे मैच में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को दिया 205 रन का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फिर एक बार साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों को घुटनों पर ला दिया। पूरे मैच में लगातार विकेट खोने के चलते अफ्रीकी टीम सिर्फ 204 रन पर सिमट गई।

भारते कि लिए सबसे ज्यादा विकेट भुवनेश्वर कुमार की जगह खिलाए गए शार्दुल ठाकुर ने लिए। उन्होंने 8.5 ओवरों में 52 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। वहीं भारत की ताकत बन चुकी चहल-कुल्दीप की स्पिन जोड़ी ने फिर एक बार साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों को हैरान किया। युजवेंद्र चहल ने दो विकेच लिए जब्कि कुल्दीप यादव को एक विकेट हासिल किया। वहीं बुमराह को दो और पांड्या को एक विकेट मिला। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन मर्करम और अमला के आउट होने के बाद स्कोर पर लगाम लग गई। हालांकि डी विलियर्स और जोंडो ने मिलकर स्कोर को आगे बढ़ाया, लेकिन चहल की शानदार बॉल से चकमा खाकर 30 रन पर डी विलियर्स आउट हो गए। उनके आउट होने के बाद जैसे टीम आचानक ढह गई। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के लिए जोंडो ने सबसे ज्यादा 54 रन की अहम पारी खेली। टीम के लिए सबसे ज्यादा 54 रन बनाने वाले खिलाड़ी जोंडो अहम पारी खेलकर आउट हुए। उन्हें चहल ने 37वें ओवर में आउट किया। साउथ अफ्रीका 150 रन के पार। ए बी डीविलियर्स के आउट होने के बाद साउथ अफ्रीका टीम की पारी फिसलती हुई नजर आ रही है। जोंडो और क्लासें ने टीम को मजबूती देने के लिए 30 रनों की साझेदारी की, लेकिन जस्प्रीत बुमराह ने इस पार्टनरशिप को तोड़ दिया। बुमराह ने क्लासें को 22 रन पर विराट कोहली के हाथों कैच आउट करवा दिया। इसके तुरंत बाद अगले ही ओवर में शार्दुल ठाकुर ने बेहारदीन को आउट किया। फिर कुल्दीप यादव ने आक्रामक क्रिस मॉरिस को पवेलियन भेज दिया। ओपनिंग जोड़ी आउट होने के बाद ए बी डीविलियर्स और जॉडो ने दक्षिण अफ्रीका की पारी संभाली। दोनों ने मिलकर 50 रन से ज्यादा की पार्टनरशिप की। हालांकि ये साझेदारी ज्यादा खतरनाक साबित होती, उससे पहले ही शानदार फॉर्म में चल रहे स्पिनर युजुवेंद्र चहल ने डीविलियर्स को 21वीं ओवर में बोल्ड कर दिया। वो 30 रन बनाकर पवेलियन लौटे। भारत की तरफ से शार्दुल ठाकुर ने ही दोनों विकेट हासिल किए। इससे पहले साउथ अफ्रीकी ओपनिंग बल्लेबाजों की धीमी शुरुआत के बाद भारत को पहली सफलता मिल गई। शार्दुल ठाकुर ने सातवें ओवर में सबसे खतरनाक हाशिम अमला को 10 रन पर चलता किया। फिर दसवें ओवर में मर्करम को 24 रन पर कैच आउट करवाया। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच छठे वनडे में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। छठे वनडे में भारतीय टीम में सिर्फ एक बदलाव हुआ है। भुवनेश्वर कुमार को आराम दिया गया है और उनकी जगह शार्दुल ठाकुर को मौका दिया गया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका टीम में चार बदलाव किए गए हैं। दक्षिण अफ्रीकी जमीन पर ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम एक और जीत अपने नाम कर इस सीरीज का अंत 5-1 से करने के इरादे से उतरेगी। कुछ ही देर में टॉस होगा। भारत ने पहले ही 4-1 से सीरीज अपने नाम कर ली है, लेकिन वह किसी भी हालत में सीरीज को हार के साथ खत्म नहीं करना चाहेगी। दोनों टीमें सुपर स्पोर्ट पार्क मैदान पर आमने-सामने होंगी। इससे पहले इसी सीरीज में यह दोनों टीमें इस मैदान पर दूसरे वनडे में भिड़ चुकी हैं। इस मैच में भारत ने नौ विकेट से जीत दर्ज की थी। पांचवें वनडे में भारत ने मेज़बान टीम को 73 रनों से मात दी थी और इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका में पहली वनडे सीरीज जीतने का इतिहास रचा था। इस सीरीज जीत के साथ ही भारत आईसीसी वनडे रैंकिंग में पहले स्थान पर आ गया था। वहीं मेजबान टीम इस स्थिति में एक ही कोशिश कर सकती है वो है सीरीज का अंत जीत के साथ करने की, लेकिन वो भी जानती है कि यह उसके लिए किसी भी लिहाज से आसान नहीं है क्योंकि भारत ने इस पूरी सीरीज में जो क्रिकेट खेली है वो मेजबान पर पूरी तरह से खेल के हर विभाग में हावी होकर खेली है। मेहमान सीरीज जीतने के बाद इस मैच को किसी भी हालत में हल्के में तो नहीं लेगा। वह इस मैच में वही क्रिकेट खेलना चाहेगा जो अभी तक खेलता आ रहा है। दक्षिण अफ्रीका इस मैच में हाशिम अमला और अब्राहम डिविलियर्स पर ज्यादा निर्भर करेगी। इन दोनों के अलावा ज्यां पॉल ड्यूमिनी और डेविड मिलर पर भी बड़ी जिम्मेदारी होगी। गेंदबाजी का दारोमदार काफी हद तक कागिसो रबादा और पिछले मैच में चार विकेट लेने वाले लुंगी नगिड़ी पर होगा।

आस्ट्रेलिया ने बनाया टी20 में रिकार्ड, पांच विकेट से जीता

आकलैंड (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया ने टी20 त्रिकोणीय सीरीज के पांचवें मैच में लक्ष्य हासिल करने का विश्व रिकार्ड बनाते हुए न्यूजीलैंड को पांच विकेट से शिकस्त दी। इस टी20 त्रिकोणीय सीरीज में अभी तक आस्ट्रेलिया को हार नहीं मिली है। मार्टिन गुप्टिल की 105 रन की शतकीय पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 243 रन का स्कोर बनाया। लेकिन आस्ट्रेलिया ने सात गेंद रहते यह लक्ष्य हासिल कर लिया। ईडन पार्क की छोटी बाउंड्री और सपाट पिच बल्लेबाजों के लिये शानदार रही जबकि दोनों टीमों के गेंदबाजों को इससे काफी निराशा झेलनी पड़ी जिससे इसमें कई रिकार्ड टूटे।

आस्ट्रेलिया ने पांच विकेट पर 245 रन बनाकर लक्ष्य हासिल करने के भारत के 244 रन के पिछले रिकार्ड को तोड़ दिया जो उसने 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था। गुप्टिल शतक जड़ते ही ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास में सबसे ज्यादा रन जुटाने वाले खिलाड़ी बन गये। गुप्टिल ने इस तरह अंतरराट्रीय टी20 करियर में कुल 2,188 रन बना लिये हैं जिससे उन्होंने हमवतन ब्रैंडन मैकुलम को पीछे छोड़ा जिनके नाम 2,140 रन थे। भारत के विराट कोहली टी20 की इस सर्वकालिक सर्वाधिक स्कोर बनाने खिलाड़ियों की सूची में 1,956 रन से तीसरे स्थान पर हैं।

गुप्टिल ने 49 गेंद में शतक पूरा किया जो न्यूजीलैंड की ओर से सबसे तेज टी20 शतक भी है। उन्होंने 54 गेंद का सामना करते हुए नौ छक्के और छह चौके से 105 रन बनाये। न्यूजीलैंड ने 243 रन बनाकर टी20 में अपने सर्वोच्च स्कोर की भी बराबरी की। न्यूजीलैंड की पारी में कुल 18 छक्के और 14 चौके लगे। गुप्टिल को साथी सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो से भी काफी सहयोग मिला जिन्होंने ईडन पार्क की छोटी बाउंड्री का पूरा फायदा उठाकर 33 गेंद में 76 रन बनाये। मैच में कुछ दिलचस्प क्षण भी रहे। आस्ट्रेलिया गेंदबाज बिली स्टेनलेक की गेंद से न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्क चैम्पमैन्स का हेलमेट निकल गया और यह लुड़कता हुआ सीधे उनके स्टंप उखाड़ गया। इसके अलावा अंपायरों ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बेन व्हीलर को दो ऊंची नो-बॉल फेंकने के बाद गेंदबाजी से हटा दिया जिससे इस गेंदबाज ने 3-1 ओवर में 64 रन लुटाये।

आस्ट्रेलियाई टीम हालांकि पहले ही ऑकलैंड में बुधवार को होने वाले सीरीज के फाइनल में जगह बना चुकी है, उसने चारों मैचों में जीत दर्ज की है। अब न्यूजीलैंड का फाइनल में पहुंचना रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबले के नतीजे पर निर्भर होगा। इस लक्ष्य के जवाब में आस्ट्रेलिया ने तेज शुरूआत की, सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर और डार्सी शार्ट ने चार ओवर में बिना विकेट गंवाये 51 रन जोड़ लिये। वार्नर ने महज 20 गेंद में अर्धशतक जड़ लिया और यह साझेदारी 121 रन जोड़ने के बाद टूटी जब स्पिनर ईश सोढ़ी ने आस्ट्रेलियाई कप्तान को 59 रन के निजी स्कोर पर आउट किया। हालांकि उनके पवेलियन लौटने से शार्ट की बल्लेबाजी जरा भी धीमी नहीं हुई, उन्होंने 44 गेंद में 76 रन की पारी खेली जिससे वह मैन आफ द मैच भी रहे।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को फिर हराया

ईस्ट लंदन। अनुभवी मिताली राज और सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के अर्धशतकों की मदद से भारत ने दक्षिण अफ्रीका को दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नौ विकेट से हराया। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम अब पांच मैचों की शृंखला में 2-0 से आगे है। पहला मैच भारत ने सात विकेट से जीता था। जीत के लिए 143 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 19.1 ओवर में कामयाबी हासिल की। मंधाना ने 42 गेंदों में 57 रन बनाए जबकि मिताली राज ने 61 गेंदों में नाबाद 76 रन जोड़े।

मिताली को एक बार फिर प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच के बाद उसने कहा कि विकेट धीमा था और नए बल्लेबाज के लिए आकर सीधे स्ट्रोक्स खेलना आसान नहीं होता। मंधाना के साथ शतकीय साझेदारी अहम थी। मंधाना ने अपनी पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाए। उन्हें दो बार जीवनदान भी मिला जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। राज और मंधाना ने 14.2 ओवर में 106 रन की साझेदारी की । राज ने 48 गेंदों में अपना 12वां टी-20 अर्धशतक पूरा किया। उसने ढीली गेंदों का इंतजार करके उम्दा शाटस लगाए। राज ने अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का जड़ा । इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान डेन वान निकर्क ने 15, सुन लुस ने 33 और नादीन डी क्लर्क ने 26 रन बनाए। भारत के लिए अनुजा पाटिल ने 37 रन पर दो विकेट और पूनम यादव ने 18 रन पर दो विकेट लिए।

विंटर ओलंपिक 2018 : भारत के जगदीश रहे 103वें स्थान पर

प्योंगचांग (एजेंसी)।

भारत के जगदीश सिंह शुक्रवार को प्योंगचांग शीतकालीन ओलंपिक खेल की 15 किमी फ्री क्रॉस कंट्री स्कीइंग रेस में खराब प्रदर्शन से 103वें स्थान पर रहे जिससे भारत का इन खेलों में सफर फिर एक बार निराशाजनक रहा।

ओलंपिक में डेब्यू कर रहे 26 साल के जगदीश ने अल्पेंसिया क्रॉस कंट्री स्कीइंग सेंटर में फिनिश लाइन पार करने में 43.03 मिनट का समय लिया जिससे वह 119 कॉम्पटिशन में 103वें स्थान पर रहे।

जगदीश ने जो समय लिया वह कॉम्पटिशन का स्वर्ण पदक जीतने वाले स्विट्जरलैंड के डैरियो कोलोग्ना से 9ः16.4 मिनट ज्यादा था। स्विस खिलाड़ी ने 33:43.9 मिनट के साथ लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता। नॉर्वे के सिमेन क्रूगर ने 34ः02.2 मिनट के साथ रजत जबिक रूसी ओलंपिक खिलाड़ी डेनिस स्पितसोव ने 34ः06.9 मिनट का समय लेकर कांस्य पदक जीता।

गुलमर्ग के हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल (एचएडब्ल्यूएस) में प्रशिक्षण लेने वाले भारतीय खिलाड़ी शुरूआती 1.5 किमी तक पहले स्थान पर चल रहे खिलाड़ी से 40 सेकेंड धीमे थे लेकिन रेस बढ़ने के साथ यह अंतर भी बढ़ता चला गया।

आधी रेस तक जगदीश सबसे आगे रहे खिलाड़ी से 4ः28 मिनट धीमे हो गए और यह अंतर बढ़ता गया। हालांकि भारतीय खिलाड़ी रेस शुरू करने वाले 116वें स्थान से बाद अपना स्थान सुधारने में सफल रहा।

क्रॉस कंट्री स्कीइंग में खिलाड़ियों को कम से कम समय में बर्फ से ढके 15 किमी लंबा मैदान पार करना होता है। इस रास्ते में ऊंची, सामान्य एवं निचली ढलानें होती हैं।

दक्षिण कोरिया के प्योंगचांग में हो रहे ओलंपिक खेल में केवल दो खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इससे पहले शिवा केशवन अपने छठे एवं आखिरी शीतकालीन ओलंपिक खेलों की पुरूष ल्यूज एकल प्रतिस्पर्धा में 34वें स्थान पर रहे थे।

भारत अब तक शीतकालीन ओलंपिक खेल में कभी भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका है क्योंकि इन खेलों पर इतनी तवज्जो नहीं दी जाती। केशवन की छह ओलंपिक में भागीदारी ही देश के लिए एक तरह से उपलब्धि है।

भारत ने पहली बार 1964 में ऑस्ट्रिया के इन्सब्रक में हुए शीतकालीन ओलंपिक खेल में हिस्सा लिया था जहां पोलिश मूल के अल्पाइन स्कीइंग खिलाड़ी जेरेमी बुजाकोस्की ने देश का प्रतिनिधित्व किया था।

उन्होंने 1968 में ग्रेनोबल (फ्रांस) ओलंपिक खेल में भी देश का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद कनाडा के कालगैरी में 1988 में हुए शीतकालीन ओलंपिक खेल में शैलजा कुमार, गुल देव और किशोर राय (तीनों अल्पाइन स्कीइंग खिलाड़ी) ने हिस्सा लिया था।

केशवन 1998 में जापान के नगानो में हुए ओलंपिक से लेकर इस बार प्योंगचांग शीतकालीन ओलंपिक खेल तक देश का प्रतिनिधित्व करते रहे।

सेहरा प्रान्त के प्रवासियों के लिए सूरत सायरा बस आवागमन का अच्छा साधन

संवाददाता, सूरत। उदयपुर डिपो की बस वर्षों से प्रवासियों के लिए आवागमन का सुनहरा साधन है। पुरानी बस को बदलने के लिए उदयपुर संभाग के सैकड़ों प्रवासियों ने प्रशासन को अवगत किया। पिछले महीने में राजस्थान परिवहन निगम ने यात्रियों के लिए नई बस की व्यवस्था प्रदान की है। सूरत से सायरा चलने वाली इस बस से प्रवासियों के लिए आवागमन का एक अच्छा साधन है। सूरत से सायरा में अनेक गांव शामिल है ,जिनको अल सुबह अपने वतन तक पहुंचाती है। उदयपुर.इसवाल, गोगुन्दा, जसवंतगढ़, तरपाल, सुहावतो का गुडा, पुनावली, कमोल ,पदराड़ा, सेमड और सायरा तथा आसपास के सभी गांवों के लिए एक सशक्त साधन है। शाम 4. 30 बजे बॉम्बे मार्केट से निकलती है। वडोदरा होकर सीधी उदयपर सुबह पांच बजे यात्रियों को उदयपुर अपने गंतव्य तक पहुंचा देती है। आठ बजे के आसपास सेहरा प्रान्त के सभी गांवो के यात्री अपने अपने घर पहुंच जाते है। सायरा से रणकपुर और सादड़ी से सोजत और फालना जाने वाले यात्री भी सूरत सायरा से ही जाते हैं। कपड़ा उधोग से जुड़े व्यापारियों के लिए राजस्थान परिवहन निगम वरदान से कम नहीं है। वषी से सूरत को कर्मभूमि बनाने वाले प्रवासियों के लिए सूरत सायरा एक अच्छा साधन है। युं तो गुजरात परिवहन की बस श्रीनाथ जी के लिए चलाई जा रही है। यह बस करीब पचास वर्ष से सेवा प्रदान कर रही है। उसके बाद निजी बसे सायरा और उदयपुर के लिए दस से 12 बस चलाई गई है, लेकिन मन माफिक किराया वसूल किया जा रहा है। सीजन में डबल स्लीपर का किराया दो हजार से पचीसों रुपया यात्रियों को अदा करना पड़ता है। नतीजतन ,राजस्थान रोडवेज में फिक्स रेट होने से कोई बढ़ोतरी कर नहीं सकते। इससे राजस्थान रोडवेज की बस सभी के लिए फायदेमंद साबित हो रही है।

हजारो लोगो के लिए सूरत सायरा साधन ही नहीं है ,लेकिन व्यवसाय की दृष्टि से भी काफी हद तक तरक्की का साधन है। गोलवाला मार्केट से जैन समाज के अग्रणी एवं उधोगपति कस्तूरचंद सिंघवी ने कहा कि मै पिछले चालीस साल से उदयपुर रोडवेज की बस से ही गांव आता जाता हूँ। सुखद सफर के लिए सूरत सायरा एक वरदान है। सायरा निवासी मोहनलाल पुनमिया ने कहा कि मेरा आना जाना सूरत सायरा से ही होता है। अभी वैशाख महीने में विवाह प्रसंग होगा ,उसके साथ ही घर में आध्यातमिक प्रसंग का आयोजन सेहरा प्रान्त के हर गांवो में वैशाख की पूनम पर किया जाता है ,उस समय लोगो का आना जाना लगा रहता है। अनिवार्य परम्परा है ,उसके लिए अलग बस चलाने की मांग क्षेत्रवासियो ने की है।

ट्रैफिक पुलिस के गाल पर युवक ने जड़ा थप्पड़

क्रेन पर बाइक चढ़ाते हुआ था नुकसान

संवाददाता, सूरत। वराछा में ट्रैफिक अवरोधक वाहनों को उठाकर क्रेन में चढ़ाते समय एक बाइक चालक ने ट्रैफिक विभाग के हेड कांस्टेबल के साथ गाली गलौज कर तैश में आकर कांस्टेबल के गाल पर थप्पड़ जड़ दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्फ्तार करके उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रैफिक शाखा सर्कल-3 के हेड कांस्टेबल दिलीप रामसिंहभाई गत रोज वराछा के गीतांजलि ट्रैफिक की आफिस स्थित एचपी गोडाउन के पास ड्युटी दौरान रास्ते में अवरोधक वाहनों को अपने मित्र के साथ उठाकर क्रेन में लोड करने की कार्रवाई कर रहे थे। तभी एक बाइक स्पलेंडर नं. जीजे-5-एचई-2644 को क्रेन में चढ़ाते समय बाइक के मीटर का वायर क्षतिग्रस्त हो गया। बाइक का मालिक मयंक भाईलाल भाई पटेल ने कांस्टेबल दिलीभाई के पास आकर बोला कि मीटर का वायर तोड़कर नुकसान कर दिया। इस बात को लेकर ट्रैफिक पुलिस कर्मचारी दिलीप और आरोपी मयंक के बीच कहासुनी हो गई तो मयंक गाली देने लगा। दिलीप ने गाली न देने के लिए कहा तो आरोपी मयंक तैश में आकर दिलीप के गाल पर दो तमाचा रसीद कर दिया। घटना के संदर्भ में पुलिस हेड कांस्टेबल दिलीप ने वराछा पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके आरोपी मयंक को गिरफ्फ्तार कर लिया और कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

अतिक्रमण पर सेन्ट्रल जोन सख्त

सड़क व पार्किंग में रखे ताके किया जब्त, पार्किंग की जगह कराया अतिक्रमण मुक्त

संवाददाता, सूरत। अतिक्रमण को लेकर मनपा सेन्ट्रल जोन सख्त है। अतिक्रमण निरोधी दस्ते ने बीते दिन कपड़ा मार्केट में कमेला दरवाजा से अंजणा गरनाला तक व कमेला से रेलवे स्टेशन तक सड़क पर किए गए अतिक्रमण को हटाया। कपड़ा कारोबारियों ग्रे व फिनिश कपड़ों को मालवाहन से मंगाकर सड़क के किनारे ताके को रख्खवा दिए थ। मनपा की टीम सड़क पर रख्खे ताके को जब्त किया। वहीं कपड़ा मार्केट के यूनिवर्सल, पद्मावती टेक्सटाइल व जयश्री माताजी हाउस के बेसमेंट में कैंटीन व रखे ताके को हटाकर वाहनों के पार्किंग के लिए खाली कराया।

शूटिंग करते समय कैमरा झपटकर फरार आरोपी और दो किशोर गिरफ्तार

संवाददाता, सूरत। शहर के कापोद्रा क्षेत्र में विवाह के प्रसंग में शूटिंग कर रहे कैमरामैन के हाथ से चलती बाइक पर सवार उचक्के कैमरा झपट कर फरार हो गए थे, घटना के बारे में पुलिस जांच कर रही थी। इसी दौरान क्राइम ब्रांच पुलिस ने कैमरा छीनने के आरोपी एक युवक और दो किशोरों को गिरफ्तार करके उनके पास से तीन कैनन कैमरा सहित अन्य 3,75,500 रुपए का माल कब्जे में लेकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 2 फलवरी को पूणा विस्तार में विवाह प्रसंग के दौरान शूटिंग कर रहे कैमरामैन के हाथ से बाइक पर आए उचक्के कैमरा झपटकर फरार हो गए थे। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार पुलिस मामले जांच कर रही थी।

इसी दौरान मिली गोपनीय सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच पुलिस ने पूणा क्षेत्र के वैवाहिक प्रसंग में काम करने वाले फोटोग्राफर के कैमरा की छिनैती के आरोपी गोपाल उर्फ रमेश दाबसरा (मकान नं. 254 सहजानंद सोसाइटी भाग-2, रमेश आहिर के मकान में, गायत्री रोड हीराबाग रामराज्य सोसाइटी के बगल पूणा, मूल भावनगर) तथा दो किशोरों को हीराबाग सर्कल लक्ष्मी होटल के पास से कैनन कैमरा कीमत-2,95,500 रुपए तथा बगैर नंबर की सफेद रंग की होन्डा एक्टिवा, होन्डा ड्रीम नं. जीजे-5-एलएस-2928 सहित कुल 3,75,500 रुपए के माल के साथ दबोच कर उनके खिलाफ आगे की जांच शुरू की है।

पुलिस के हत्थे चढ़े दो शातिर चोर

चोरी किए गए सीसीटीवी कैमरा, मोबाइल और 5 लाख नकद बरामद

संवाददाता, सूरत। शहर के कतारगांव पुलिस के डी डिविजन के स्टाफ ने मिली गोपनीय सूचना के आधार पर घरों में चोरी की बारदात करने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार करके आगे की जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कतारगांव की डी डिविजन पुलिस की टीम गत रोज क्षेत्र में गश्त लगा रही थी। उसी दौरान मुखबिर द्वारा मिली गोपनीय सूचना के आधार पर कतारगांव विस्तार से चोरी करने के आरोपी देवसिंह उर्फ देवो मारवाडी तेरसिंह मोजावद राजपूत (30 वर्ष, घर नं. 4, बिल्डिंग नं. 6 उमीतनगर, स्टेशन रोड, भेस्तान, मूल निलवासी-ढडी बरवाडा, तालुका सायरा, राजसमद, राज-स्थान), तथा विजय उर्फ बांको अशोक वसावा (23 वर्ष, घर नं. 14, बिल्डिंग नं.-1, उमीत नगर, स्टेशन रोड, भेस्तान, मूल निवाली सूरत ताडकेश्वर कीम) को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी किए गए 5 लाख रुपए नकद, सीसीटीवी कैमरा का डीवीआर, एक मोबाइल बरामद कर दोनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

पांचवीं मंजिल से गिरे युवक की मौत

संवाददाता, सूरत। अडाजण के पालनपुर ओंकार रेजीडेंसी में रहने वाले एक युवक की पांचवीं मंजिल से गिरने के कारण सिर में गंभीर चोट आई। जिसको इलाज के लिए अस्पताल में ले जाने पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अडाजण के पालनपुर कैनाल रोड ओंकार रेजीडेंसी-डी-1, 502 में रहने वाले जय रविन्द्र कुमार पंड्या (27 वर्ष) गुरुवार को अचानक पांचवीं मंजिल से नीचे गिर गया। जय के सिर में गंभीर चोट आने से इलाज के लिए प्रमुख स्वामी अस्पताल में ले जाया गया। जहां क्षणिक इलाज के बाद मौत हो गई। घटना के संदर्भ में अडाजण पुलिस आकस्मिकि दुर्घटना का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

रहस्यमयी ढंग से ताप्ती नदी के किनारे मिला अधेड़ का शव

सूरत। जहांगीरपुरा इस्कान मंदिर के पास तापी नदी के किनारे रहस्यमयी ढंग से एक अधेड़ का शव मिलने से पुलिस मामले को दर्ज करके जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अडाजण के दिवाली बाग रोड सूर्य कृति अपार्टमेंट बी-92,93 में रहने वाले नटवरभाई रतिलाल बंकोडिया (68 वर्ष) गुरुवार को 9.30 बजे के करीब जहांगीरपुरा के इस्कान मंदिर के पीछे ओवारा के फुटपाथ के बगल में ताप्ती नदी के किनारे से मृत हालत में मिले। घटना के बारे में जानकारी होने पर मृतक नटवरभाई के बेटे अल्पेश ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस स्थल पर पहुंचकर लाश को कब्जे में लेकर जांच की तो प्रथम दृष्ट्या नटवरभाई को जहर पीकर आत्महत्या करने की पुलिस कयास लगा रही है, इसकी जांच चल रही है।

गुजरात इन-सी-टू स्लम रिहेबिलिटेशन में अग्रसरः मुख्यमंत्री

गांधीनगर (ईएमएस)। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज कहा कि स्लम रिहेबिलिटेशन के क्षेत्र में गुजरात देश भर में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि राज्य में झोपड़पट्टी पुनर्वास के अंतर्गत इन-सी-टू स्लम रिहेबिलिटेशन के पैंतालिस हजार सुविधायुक्त आवास लक्ष्यांक के समक्ष १५ हजार पूर्ण कर लिए गए हैं। नये २५ हजार आवासों का आयोजन भी राज्य सरकार ने किया है। रूपाणी ने स्मार्ट टेक्नोलॉजी फॉर हाउसिंग एंड इन-सी-टू स्लम रिहेबिलिटेशन विषयक नेशनल वर्कशॉप का गांधीनगर में शुभारंभ करवाया। इस एक दिवसीय वर्कशॉप में देश के २१ राज्य और केन्द्र शासित प्रदेशों के शहरी विकास सचिवों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष २०२२ तक देश के प्रत्येक नागरिक को अपनी छत मिले, आवास मिले इसके लिए प्रधानमंत्री के संकल्प के अंतर्गत स्लम एनवायर्नमेंट चेंज करके झुग्गी-झोपड़ियां हटाकर उसी स्थल पर सुविधापूर्ण आवास निर्माण के लिए गुजरात में पहल रूपी आयाम अपनाएं गए हैं। उन्होंने कहा कि मानव की तीन मूलभूत आवश्यकताएं रोटी, कपड़ा और मकान हैं।

सूरत। पार्सलों को देखते हुए कपड़ा मार्केट में मंदी की बात करना गलतफहमी होगी। कम ही सही परन्तु देशावर की ग्राहकी निकलने से मिलेनियय मार्केट में पार्सलों को ट्रांसपोर्ट में भेजते हुए हमाली तस्वीर में द्रश्यमान है।

शहर में सुनाई देने लगी चंग, बांसुरी व ढप की थाप

लघु मारवाड़ परवत पाटिया इलाके में गूंजने लगा फाग

सूरत। सूरत में मिनी मारवाड़ के रूप में जाने वाली परवत पाटिया में राजस्थानी रसियों की ओर से चंग, बांसुरी , झांझ व ढप और ढोल की थाप पर देर रात तक फाग गीत का आनंद लेना शुरू हो गया। फागुन का महीना शबाब पर है। रंगों के इस त्यौहार को रंगीलो राजस्थान के फाग रसिया शहर के परवत पाटिया के अवासीय परिसरों में ख्चौपाल गुलजार होने लगे है। यहां ढप,ढोल की जुगलबंदी और झांझ की महफिल सजी रहती है। होली के मौके पर परवत पाटिया, मार्म्डल टाउन, पूणागांव, गोडादरा, पूणा कु म्हारिया, त्रिकम नगर, उधना , हरिनगर सहित अन्य राजस्थानी बाहुल्य इलाके की सोसायटियों में मजीरे की झंकार , बांसुरी की सुरीले स्वर और उंन्चे स्वरों में फाग व लोकगीतों पर मस्ती की सवारी करने दूर दराज से फाग रसिया आते है।

गुजरात विधानसभा अध्यक्ष बनेंगे राजेन्द्र त्रिवेदी, आज भरेंगे पर्चा

(अहमदाबाद)। भाजपा प्रदेश प्रमुख जीतु वाघाणीने आज गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए वड़ोदरा के विधायक राजेन्द्र त्रिवेदी के नाम की घोषणा की। राजेन्द्र त्रिवेदी कल विधानसभा के 18वें अध्यक्ष के तौर पर पर्चा दाखिल करेंगे। विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा मंत्रिमंडल का गठन किया था जिसमें वड़ोदरा शहर के के किसी भी विधायक को शामिल होने पर वड़ोदरा के कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखने को मिली थी। इसी सिलसिले में अब भाजपा ने कार्यकर्ताओं व नेताओं की नाराजगी दूर करने के लिए वड़ोदरा के विधायक राजेन्द्र त्रिवेदी को विधानसभा के अध्यक्ष पद देने की घोषणा की है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जीतु वाघाणी ने एक बयान में कहा है कि कल राजेन्द्र त्रिवेदी विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए पर्चा दाखिल करेंगे। राजेन्द्र त्रिवेदी 14वीं विधानसभा के 18वें अध्यक्ष पद के लिए फोर्म भरेंगे। राजेन्द्र त्रिवेदी वड़ोदरा के रावपुरा सीट से भाजपा के विधायक है। राजेन्द्र त्रिवेदी वकील है। राजेन्द्र त्रिवेदी के नाम की अध्यक्ष पद के लिए घोषणा से उसके समर्थकों में खुशी का माहौल है। रमणलाल वोरा के बाद अध्यक्ष पद के लिए राजेन्द्र त्रिवेदी फोर्म भरेंगे। गुजरात में सौराष्ट्र से मुख्यमंत्री, उत्तर गुजरात में से डिप्टी सीएम नीतिन पटेल और अब मध्य गुजरात से विधानसभा अध्यक्ष की नियुक्ति की गई है।

ट्रक और ट्रेक्टर के बीच दुर्घटना में ट्रेक्टर चालक की मौत

राजकोट (ईएमएस)। जिले के देपालिया गांव के निकट ट्रक और ट्रेक्टर के बीच हुई जबर्दस्त भिड़ंत में ट्रेक्टर चालक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के पुत्र की शिकायत के आधार पर ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक राजकोट जिले की पडधरी तहसील के सरपदल गांव निवासी 52 वर्षीय कांतिभाई गांडुभाई बोडा अपने ट्रेक्टर लेकर देपालिया की ओर जा रहे थे। उस दौरान देपालिया गांव के निकट ट्रेक ने ट्रेक्टर को जोरदार टक्कर मार दी।

सुबह बच्चों को शिक्षा देनवाले प्रोफेसर शाम को रेंकडी पर बेचते है पकौडे

भरुच (ईएमएस)। शहर के शक्तिनगर में रहनेवाले पीएचडी की डिग्रीधारक और प्रोफेसर सुबह कालेज में बच्चों को पढाते है और शाम को अपते पिताजी को मदद करने के लिए पकौड़े की रेंकडी पर पकौडे बेचते है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने एक साक्षात्कार में पकौडे बेचने को रोजगार के तौर पर गिनाने के बाद देशभर में पकौडा बेचना एक चर्चा का विषय बन चुका है।

ऐसे में उच्च शिक्षा हासिल करने के बाद अपने पिताजी के व्यवसाय को आगे बढाने और उन्हें मदद करने के लिए पकौडे बेचना गलत नहीं, यह कहना भरुच के दर्शन ठक्कर का। दर्शन ठक्कर अपने पिता की पकौडे की रेंकडी पर उन्हें मदद कर रहे हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि दर्शन ठक्कर ने पीएचडी की डिग्री हासिल की है, और वह कॉलेज में प्रोफेसर है। दर्शन ठक्कर सुबह कॉलेज में विद्यार्थीओ को पढाते हैं, और शाम को पिता को मदद करने के लिए रेंकडी पर पकौडे बेचते है। भरुच के शक्तिनाथ नगर में रहनेवाले दर्शन ठक्कर हररोज अपने पिता को मदद के लिए पकौडे बेचकर अपने पिता के व्यवसाय को आगे बढा रहे है। दर्शन ठक्कर अपने पिता नटवरलाल ठक्कर के साथ 1995 से पिता के साथ रेंकडी पर समोसे, पकौडे और वडापाव बेचकर प्राथमिक, माध्यमिक शिक्षा के बाद बीए.एम.ए किया और बाद में सायकोलोजी में एमफील के बाद पीएचडी की डिग्री हासिल की। हाल दर्शन ठक्कर आमोद तहसील के सरभाण कॉलेज के गांव में प्रोफेसर के तौर पर फर्ज निभा रहे है। डॉक्टरेट की उच्च डिग्री हासिल करने के बाद भी दर्शन पहले की भांति अपने पिता को पकौडे बेचने के व्यवसाय में मदद कर रहे हैं।

जवाहर इंग्लिश विद्यालय द्वारा वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया

सूरत। शहर के उधना विस्तार के हरीनगर-2 में स्थित जवाहर इंग्लिस स्कूल एवं ज्ञान सागर हिन्दी विद्यालय द्वारा वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इस वार्षिक उत्सव में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं सदभावना व बेटी बचओ-बेटी पढाओं का मैसेज कार्यक्रमों के माध्य से दिया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. चेन्द्र शेखर शर्मा (सी.एम.ओ. सिविल), तथा घनश्याम सोनी (आसि. कमिश्नर कस्टम) तथा छोटू पाचिल, शशी दूबे, रमाकान्त कौशिक, बंसु यादव, जयप्रकास तिवारी, मनोज शुक्ला, विरेन्द्र पाण्डेय एवं अन्य महानुभव उपस्थित रहे। इस मौके पर अग्रवाल एज्युकेशन ट्रस्ट के ज्योति प्रकाश अग्रवाल ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया और बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया, और बच्चों ने भी अलग-अलग प्रकार के कार्यक्रमों के द्वारा लोगों का मनोरंजन किया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com